न्यूज डायरी

पाकिस्तान में बिगड़े हालात, इस्लामाबाद में मेट्रो स्टेशन आग के हवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लॉन्ग मार्च को लेकर हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान का काफिला इस्लामाबाद में प्रवेश कर चुका है। हजारों समर्थकों के साथ PTI चीफ डी–चौक की ओर बढ़ रहे। ऐसे में पाकिस्तान सरकार ने महत्वपूर्ण सरकारी जगहों और बिल्डिंग्स की सुरक्षा के मद्देनजर रेड जोन में सेना को तैनात किया है। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने राजधानी की सड़कों पर जमकर बवाल काटा है। इस्लामाबाद में एक मेट्रो स्टेशन को आग के हवाले कर दिया गया। इमरान खान का लॉन्ग मार्च इस्लामाबाद में प्रवेश कर चुका है। हालांकि, उनके राजधानी में एंट्री से पहले हिंसा की आग भड़क गई। PTI कार्यकर्ताओं ने शहर में तोड़फोड़ और आगजनी की। उन्होंने डिवाइडर पर लगे पेड़ों को आग के हवाले कर दिया। पुलिस के साथ झड़प के दौरान प्रदर्शनकारियों ने इस्लामाबाद में चाइना चौक मेट्रो स्टेशन में आग लगा दी।

हवा में सेक्स करने का शौक पड़ा भारी! फ्लाइंग स्कूल ने निकाला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। रूस के एक पायलट को कॉकपिट में एक महिला कैडेट के साथ सेक्स टेप बनाने के आरोप में निकाल दिया गया है। ये हैरान कर देना वाला मामला रूस के सासोवो फ्लाइट स्कूल से आया है। जहां महिला कैडेट और पायलट ने कॉकपिट में सेक्स टेप बनाया। दोनों ने कॉकपिट में किए सेक्स को कैमरे पर रिकॉर्ड भी किया। लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात ये रही कि इस दौरान उन्होंने गैर जिम्मेदाराना तरीके से हवाई जहाज को ऑटो पायलट मोड पर लगा दिया। जानकारी के मुताबिक 28 वर्षीय पायलट ने अपनी 21 साल की कैडेट से कई और उड़ानों के एवज में सेक्स की डिमांड की थी। पायलट ने कैडेट को सेक्स के बदले एक्स्ट्रा फ्लाइट टाइम की डील के लिए मना लिया था। स्थानीय न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ने ये सेक्स टेप सेसना 172 (ब्मेदं 172) विमान में बनाया। विमान रायजान क्षेत्र में उड़ रहा था जब इन्होंने उसे ऑटो पायलट मोड पर लगा दिया।

भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को एक जून से मान्यता देगा जर्मनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत में जर्मन राजदूत वाल्टर जे लिंडनर ने गुरुवार को 1 जून से जर्मनी की यात्रा करने के लिए WHO की तरफ से सूचीबद्ध की गई भारत बायोटेक की COVID वैक्सीन COVAXIN को मान्यता देने के लिए जर्मन सरकार की सराहना की। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले साल नवंबर में COVAXIN के लिए एक आपातकालीन उपयोग सूची जारी की थी, जिसमें SARS-CoV-2 के कारण होने वाले कोविड–19 की रोकथाम के लिए मान्य टीकों के बढ़ते पोर्टफोलियो को जोड़ा गया। जर्मनी और भूटान में राजदूत लिंडनर ने ट्विटर पर लिखा, मैं बहुत खुश हूं कि जर्मनी की सरकार ने 1 जून से जर्मनी की यात्रा के लिए डब्ल्यूएचओ की तरफ से सूचीबद्ध की गई ब्ट।ग्प्छ को मान्यता देने का फैसला किया है! यह दूतावास इस तरह के निर्णय के लिए बहुत सक्रिय रूप से जोर दे रहा है।

मिशेल के शिनजियांग पहुंचने से पहले ही उइगर समुदाय का डाटा लीक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार समूह की प्रमुख मिशेल बैचलेट की शिनजियांग दौरे के साथ ही चीनी सरकार का सीक्रेट सामने आ गया है। इसमें अल्पसंख्यक उइगर समुदाय से जुड़ा पूरा डेटा है। साथ ही शीर्ष चीनी अधिकारियों के भाषण हैं जिसमें उइगरों को दबाने और दंडित करने की योजनाएं हैं। बता दें कि उइगर समेत अन्य अल्पसंख्यक समुदायों का शोषण करने का आरोप चीन झेल रहा है और इसके लिए वैश्विक स्तर पर इसकी निंदा हो रही है। गौर करने वाली बात है कि यह मामला तब सामने आया है जब संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख मिशेल बैचलेट वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से बात करने वाली हैं। शिनजियांग पुलिस को ये फाइलें रिसर्चर एड्रियन जेंज से मिलीं।

तिब्बत, अमेरिका–नेपाल की दोस्ती से भड़का चीन

चेतावनी

नेपाल पहुंची अमेरिकी विदेश उप मंत्री उजरा जेया ने तिब्बतियों से की मुलाकात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। नेपाल की शेर बहादुर देउबा सरकार और अमेरिका के बीच बढ़ती दोस्ती और बाइडन प्रशासन के अधिकारियों के काठमांडू में तिब्बती शरणार्थियों से मुलाकात पर चीन भड़क गया है। चीन ने अप्रत्यक्ष रूप से नेपाल सरकार से साफ कह दिया है कि आंतरिक या बाहरी किसी भी कारण से एक चीन नीति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। माना जा रहा है कि अमेरिकी अधिकारियों के लगातार हो रहे नेपाल दौरे से चीन टेंशन में आ गया है और उसे तिब्बती शरणार्थियों का डर सताने लगा है।

काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल चीन द्विपक्षीय सलाह तंत्र की 14वीं बैठक में चीनी पक्ष ने नेपाल के दो शिविरों में अमेरिकी अधिकारियों के तिब्बती शरणार्थियों से मुलाकात पर आपत्ति जताई। इससे पहले अमेरिका की उप विदेश मंत्री उजरा जेया ने दो तिब्बती शिविरों का दौरा किया था। इस बैठक में शामिल एक अधिकारी ने कहा कि चीन का संदेश बहुत साफ था। इस बैठक में नेपाल के विदेश सचिव और चीनी विदेश उप मंत्री शामिल थे।

नेपाल की इच्छा के विपरीत जाकर तिब्बती शरणार्थियों से मुलाकातः इस बैठक में नेपाल के कई विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इससे पहले अमेरिकी विदेश उप मंत्री और तिब्बती शरणार्थियों की समन्वयक उजरा जेया 20 मई को नेपाल के दौरे पर आई थीं। उन्होंने नेपाल की इच्छा के विपरीत जाकर तिब्बती शरणार्थियों से मुलाकात की। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि उन्हें अमेरिकी मंत्री के शिविरों में दौरे के बारे में कोई जानकारी नहीं है। नेपाल में करीब 15 हजार तिब्बती शरणार्थी रहते हैं।

माना जाता है कि चीन के दबाव में इनमें से कई तिब्बतियों को अभी तक शरणार्थी कार्ड नहीं दिया गया है। इससे वे पढ़ाई जारी नहीं रख पाते हैं, बिजनस नहीं कर पाते और विदेश भी नहीं जा पाते हैं। चीन के आपत्ति जताने के बाद नेपाली पक्ष ने चीन को फिर से आश्वासन दिया कि वह एक चीन नीति को मानता है और अपनी जमीन का इस्तेमाल पड़ोसी देशों के खिलाफ नहीं होने देगा। अमेरिकी मंत्री ने नेपाल आने से पहले दलाई लामा और तिब्बत की निर्वासित सरकार के अन्य अधिकारियों से धर्मशाला में मुलाकात की थी।

नेपाल को एक चीन नीति को मानना चाहिएः चीनी राजदूत

अमेरिकी विदेश उप मंत्री की यात्रा से ठीक पहले नेपाल में चीन की राजदूत हाओ यांकी ने नेपाल के गृहमंत्री बाल कृष्ण खंड से मुलाकात की थी और कहा था कि नेपाल को एक चीन नीति का सम्मान करना चाहिए और उसे मानना चाहिए। नेपाल के अमेरिकी सहायता एमसीसी को अनुमति देने के बाद से ही चीन टेंशन में चल रहा है। चीन ने नेपाल को एमसीसी को लेकर चेतावनी दी थी लेकिन देउबा सरकार ने ड्रैगन के आगे झुकने से इंकार कर दिया।

ताइवान पर बाइडन की धमकी से बौखलाया चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन के ताइवान पर हमले की सूरत में अमेरिकी सेना भेजने के जो बाइडन के ऐलान से चीन भड़क गया है और उसने दक्षिण चीन सागर में जोरदार युद्धाभ्यास किया है। चीन की सरकार की मीडिया के मुताबिक सेना ने पूर्वी थिएटर कमांड ने दक्षिण चीन सागर में सैन्य अभ्यास किया है। इसमें चीनी नौसेना और एयरफोर्स दोनों ने हिस्सा लिया है। बताया जा रहा है कि चीन ने इस दौरान ताइवान पर कब्जे का अभ्यास किया।

चीनी सेना पीएलए के प्रवक्ता सीनियर कर्नल शी यी ने कहा कि यह अभ्यास अमेरिका को चेतावनी देने के लिए आयोजित किया गया था। इससे पहले बाइडन ने चेतावनी दी थी कि अगर चीनी सेना ने ताइवान पर हमला किया तो अमेरिकी सेना उसका जवाब देगी। हालांकि बाद में वाइट हाउस ने बाइडन के बयान पर सफाई दी थी और कहा था कि अमेरिका एक चीन नीति में भरोसा करता है। चीनी प्रवक्ता ने कहा कि ताइवान चीन का हिस्सा है और पीएलए का पूर्वी थिएटर कमांड राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय शांति तथा स्थिरता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। कर्नल शी यी ने कहा कि हाल ही में संपन्न हुआ चीनी सेना का लाइव फायर ड्रिल अमेरिका और ताइवान के गठजोड़ के लिए चेतावनी है।

भेड़ ने की महिला की हत्या, कोर्ट ने सुनाई 3 साल की सजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जूबा। अफ्रीकी देश साउथ सूडान में एक भेड़ को हत्या के जुर्म में 3 साल के लिए जेल भेजने का अनोखा मामला सामने आया है। इस भेड़ को अपनी सींग से एक बुजुर्ग महिला अधिइयू चापिंग (45) की हत्या करने का दोषी पाया गया है। बताया जा रहा है कि भेड़ ने महिला के सीने पर कई वार किए जिससे उनकी मौत हो गई। इस भेड़ को अब सजा के रूप में सेना के एक शिविर में तीन साल तक सजा काटनी होगी। साउथ सूडान के बड़े बुजुर्गों ने दोषी भेड़ को यह सजा सुनाई है। उधर, पीड़ित परिवार को बताया गया है कि उसे भेड़ के मालिक की ओर से खून के बदले खून के नियम के तहत 5 गायें भी मुआवजे के रूप में दी जाएंगी।

अमेजन के जंगल में मिले 22 मीटर ऊंचे पिरामिड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कबीले नहीं बल्कि शहर हैं

सक्रे। अमेजन के जंगल दुनिया में मौजूद सबसे घने जंगलों में से एक हैं। ये दुनिया के फेफड़े भी कहे जाते हैं। ये जंगल अपने अंदर कई राज छिपाए हुए हैं। कहा जाता है कि यहां सोने का शहर भी है, जिसे खोजने कई लोग गए और वापस नहीं लौटे। सोने का शहर मिले या न मिले लेकिन वैज्ञानिकों को रिसर्च के दौरान यहां पिरामिड और मध्य युग की विशाल बस्तियां मिली हैं। इन पिरामिडों की ऊंचाई करीब आठ मंजिल ऊंची है।

नेचर जर्नल में यह रिसर्च पब्लिश की गई है। घने जंगलों में इस तरह की खोज करना बेहद मुश्किल है, लेकिन नई टेक्नोलॉजी के जरिए इसके बारे में पता लग सका है।

लेजर मैपिंग की तकनीक से ये हैरान कर देने वाले रिजल्ट मिले हैं। हेलीकॉप्टर पर लेजर मैपिंग डिवाइस लगाया गया और इसे जंगल के कई हिस्सों के ऊपर से ले जाया गया। इस डिवाइस से एक थ्री–डी इमेज मिली, जिसमें पेड़ नहीं थे और जमीन की सही आकृति का अनुमान लग सका। इस नई खोज से वह धारणा भी कमजोर हुई है, जिसके मुताबिक 16 शताब्दी में यूरोपीय उपनिवेश आने से पहले यहां परिष्कृत समाजों की कमी थी। लेकिन इससे पता चला है कि यहां एक उन्नत सभ्यता रहती थी।

शोधकर्ताओं ने खुलासा किया है कि लगभग 1500 साल पहले प्राचीन अमेजोनियन लोगों ने इसे बनाया और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में रहते थे। इसमें 22 मीटर ऊंचे मिट्टी के पिरामिड थे। इसके साथ आबादी के आसपास का इलाका कई किलोमीटर लंबी सड़कों से जुड़ा था। इस रिसर्च से जुड़े कोलोराडो स्टेट यूनिवर्सिटी के पुरातत्वविद क्रिस फिशर का कहना है कि अभी तक हम अमेजन में बसी सभ्यता को जिस हिसाब से देखते थे ये उससे काफी अलग है। इससे हमें पता चलता है कि ये छोटे–छोटे कबीले नहीं बल्कि शहर थे।

मंकीपाक्स की दहशत के बीच उम्मीद की किरण

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। इस समय दुनियाभर में मंकीपाक्स का फैलता संक्रमण चिंता का कारण बना हुआ है। इसके निदान के लिए जारी शोध के क्रम में पाया गया है कि कुछ एंटीवायरल दवाएं रोग के लक्षणों में कमी लाने के साथ ही उसके संक्रमणकारी अवधि को भी कम कर सकती हैं। द लैंसेट इंफेक्शियस डिजीज जर्नल में प्रकाशित एक शोधपत्र में अध्ययनकर्ताओं ने 2018 से 2021 के बीच ब्रिटेन में मंकीपाक्स संक्रमण के शिकार हुए सात रोगियों पर पूर्व में किए गए शोध का ब्योरा दिया है। उन्होंने बताया है कि दो एंटीवायरल दवाएं– ब्रिनसिडोफोविर तथा टेकोविरिमैट से इस रोग का इलाज में मददगार हो सकती हैं। अध्ययन के मुताबिक, ब्रिनसिडोफोविर के क्लीनिकल फायदे पाए जाने से प्रमाण मिले हैं, जबकि टेकोविरिमैट के बारे में अभी कुछ और शोध की जरूरत है। शोध के लेखक डाक्टर हग एडलर ने बताया कि लिवरपूल यूनिवर्सिटी हास्पिटल की एक टीम की रिपोर्ट में बताया गया है कि मांकीपाक्स वायरस ब्लड और गले के स्वैब में पाया गया है।